तारीख: 12-01-2024

राज्य में शीत दिवस/ लहर की आशंका: किसान बंधुओं के लिए सलाह

भारत मौसम विज्ञान विभाग के मौसम विज्ञान केंद्र, पटना से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में अगले तीन दिन भी 15-20 कि०मी० प्रति घंटा की गति से बर्फीली ठंडी पछुवा एवं उत्तर पछुवा हवा का प्रवाह जारी रहने का पूर्वानुमान है। जिसके प्रभावस्वरूप निचले वायुमंडल में पूर्वी हवाओं के संपर्क के प्रभाव से बिहार राज्य में भी 12 जनवरी से 15 जनवरी, 2024 के दौरान राज्य में एक या दो स्थानों पर शीत दिवस/ लहर की स्थिति की आशंका है। अधिकतम तापमान में 4-6°C तक गिरावट और न्यूनतम तापमान के 10°C से कम रहने की संभावना है। इस स्थिति में-

किसान बंधु क्या करें:

- ठंड से होने वाली क्षति से बचाव के लिए सभी फसलों में हल्की सिंचाई फायदेमंद होगी।
- 15 दिसम्बर के बाद बुवाई वाली गेहूँ की फसल में मुख्य जड़ अवस्था पर एक सिंचाई अवश्य करें।
- ठंड से होने वाली क्षति की रोकथाम के लिए फलों के छोटे पौधों को प्लास्टिक या बिना बुनी हुई फाइबर सामग्री से ढक दें।
- संभावित मौसम के दौरान, आलू और टमाटर जैसी फसलों में झुलसा रोग को नियंत्रित करने के लिए रिडोमिल गोल्ड (मेटालैक्सिल 4% + मैन्कोनजेब 64%) का छिड़वाव करे।
- पत्तागोभी, फूलगोभी और अन्य खड़ी फसलों में ठंड से होने वाली क्षति को रोकने के लिए सरसों की खली का छिड़काव कर सकते है।
- ऐसी मौसम परिस्थिति में मत्स्य पालन हेतु तालाब में जल स्तर छह फीट से ऊपर बनाए रखना चाहिए, गोबर जैसे उर्वरक का प्रयोग न करें और मछलियों को केवल सीमित मात्रा में ही चारा दें।

यह कृषि मौसम परामर्श भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना के वैज्ञानिकों द्वारा दिया गया है।